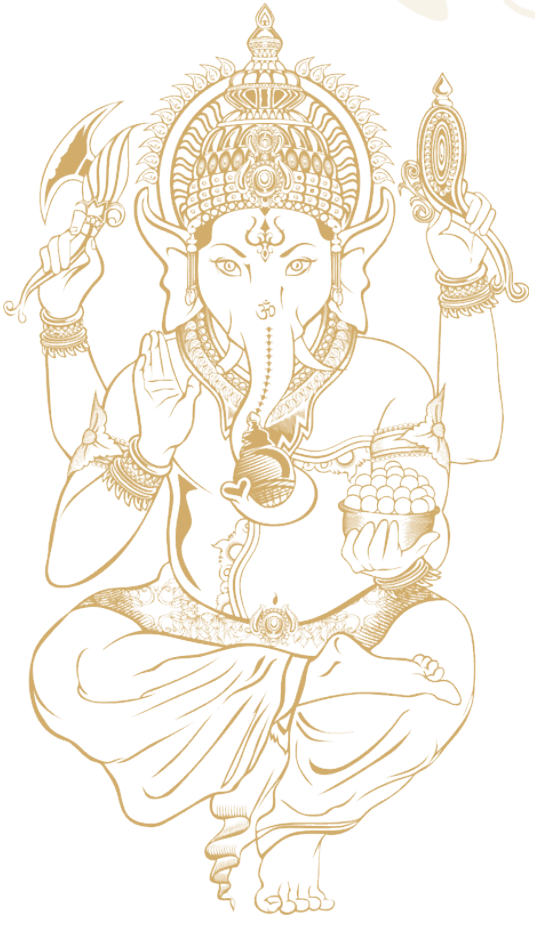

Mr.Aasutoa

Ms.Divaynsi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119773402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/11/1993	जन्म तिथि	08/06/1999
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	13:26:00 घंटे
घटी 26:46:32	जन्म समय(घटी)	20:18:45 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Delhi
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:23	सूर्योदय	05:22:54
17:25:24	सूर्यास्त	19:17:23
23:46:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:44

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 9मा 24दि	27:24:47	मेष	लग्न	कन्या	08:20:17	शनि 12वर्ष 8मा 5दि
गुरु	26:20:27	तुला	सूर्य	वृष	23:15:32	बुध
07/09/2011	06:48:08	तुला	चंद्र	मीन	07:46:00	12/02/2012
07/09/2027	08:34:20	वृश्चि	मंगल	तुला	00:42:35	12/02/2029
गुरु 25/10/2013	13:28:31	तुला व	बुध	मिथु	08:40:54	बुध 11/07/2014
शनि 07/05/2016	06:40:51	तुला	गुरु	मेष	02:36:05	केतु 08/07/2015
बुध 13/08/2018	10:29:37	तुला	शुक्र	कर्क	08:33:47	शुक्र 08/05/2018
केतु 20/07/2019	00:03:39	कुंभ	शनि	मेष	18:02:43	सूर्य 14/03/2019
शुक्र 20/03/2022	09:15:38	वृश्चि व	राहु व	कर्क	20:51:13	चन्द्र 13/08/2020
सूर्य 06/01/2023	09:15:38	वृष व	केतु व	मक	20:51:13	मंगल 10/08/2021
चन्द्र 07/05/2024	25:19:54	धनु	हर्ष व	मक	22:49:36	राहु 28/02/2024
मंगल 13/04/2025	25:06:45	धनु	नेप व	मक	10:15:06	गुरु 04/06/2026
राहु 07/09/2027	01:26:27	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:03:36	शनि 12/02/2029

लग्न-चलित

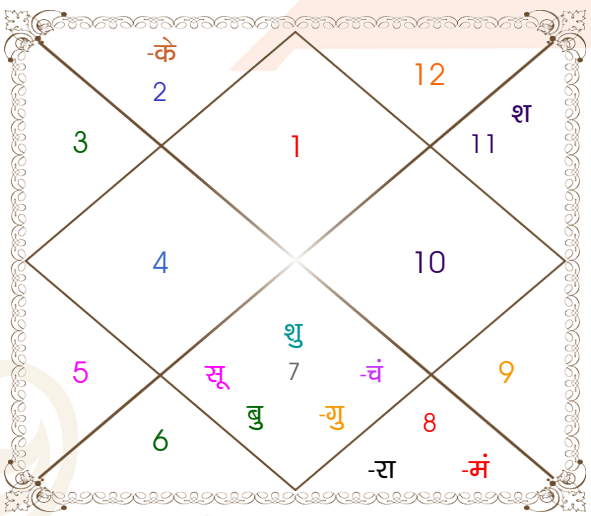

लग्न-चलित

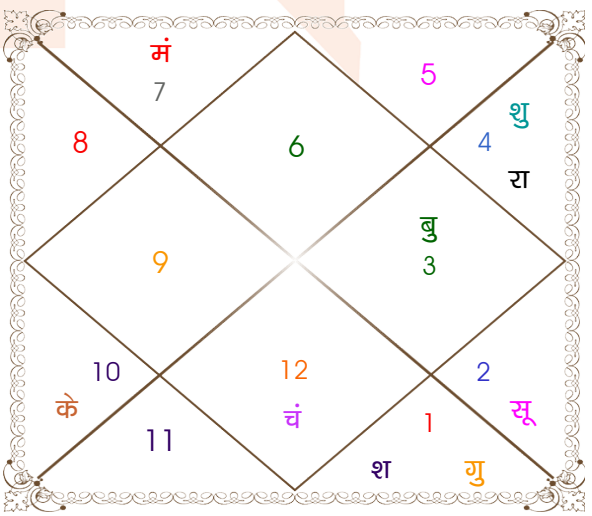

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्ेानजवं का वर्ग मृग है तथा डेण्क्पअंलदेप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ेानजवं और डेण्क्पअंलदेप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ेानजवं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ेानजवं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण्ेानजवं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्क्पअंलदेप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्क्पअंलदेप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्क्पअंलदेप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णेनजवं तथा डेण्क्पअंलदेप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।